

नाम न्यायालय

केस संख्या 39/2018

पत्रा - पत्र (पहल राहल)

जमाडी प्रस

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	11/12/19	<p>मौखिकता प्राचीन (अप्राचीन) अत्राचीवित्त मौखिक जाचने शीत एडि के करपट जाकर शीत एडि की रशीडे पैग की गरी जो आगिन पत्रावकी किया गया। गह के अन्विक व्यगप हो चुका वे अता अत्राचीवित्त के विरुद्ध एक पत्रीय कार्यवाही अज्ञान के माथी जाती है प्राचीवित्त के प्राचीन - पत्र अन्विक द्वारा 11, 128 L R A व का पैग किया जाकर विवेक किया हो कि वाके अज्ञान कोशिक तदसीत चीत के विरुद्ध अज्ञान व्य. नं 4037/2 अज्ञान 0.11.20 अपनी अन्व स्वतंत्री करी केपर आरंभिया कारतकार स्वतंत्र करिवर चाने आरंभ उपान करिवर के जाकी विवेक य जाकी पैस) व्यक्त करके उपनाके हेतु करिवर करार अज्ञान है तथा अज्ञान स्वकारी अज्ञ करके चाने आरंभ अत्राचीवित्त आरंभ डिक प्राचीवित्त की करिवर की अज्ञान के गह करके करके है व आरंभ डिक करके शिरो के जाचने करिवर</p>

न्यायालय संख्या 39/2019

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	
	व के से के प

2

उपखण्ड
चौम

फर्द अहकाम

जमाती प्रसाद वनाम ब्राम्हण देवी व अन्य

म न्यायालय

स संख्या 39/2019

पत्र पत्र पत्थरगरी

संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>म जायतिष्ठ 29/3/2019 को जहाँ जहाँ करते हैं अप्रतिष्ठ से राया वृक्ष के अतिष्ठ है जो आगत जगत के आचार पर आये कि जायतिष्ठ के परिष्ठा करते हैं तथा प्रायतिष्ठ के शास्त्र प्रेषण काय करते कि व्यवस्था काय करते हैं वसीम विन्ने के आये 20 जहाँ जहाँ करते हैं प्रिक्से प्रायतिष्ठ का शास्त्र प्रेषण काय करते हैं जहाँ जहाँ करते हैं प्रिक्से पर प्रायतिष्ठ द्वारा अप्रतिष्ठ से राया 20 जहाँ जहाँ प्रा. पत्र पिष्ठा के सीमापत्र दिए निष्ठा किया, निष्ठा पर अप्रतिष्ठ अप्रतिष्ठ 20 द्वारा डिगण. 10/6/2019 को आये प्रिक्से क. अ. 1/2019/1961 दिया है जहाँ आये की पाणन के डिगण 26/06/2019 को अप्रतिष्ठ 4033/2 शकण 0.11 के का सीमापत्र करने दिए अप्रतिष्ठ विष्ठा के गार्क पर अप्रतिष्ठ होणन व अप्रतिष्ठ शक. न. 4042 व 4029</p>	

4
प्रायतिष्ठ अप्रतिष्ठ
पत्र जिला जयपुर

सी चन्द्राक्ष

फर्द अहकाम

जमशेदपुर जिला न्यायालय नाम न्यायालय

केस संख्या 39/2019

प्रा. चित्र पत्थरगडी

विशेष विवरण

क्रम संख्या	दिनांक आह्वान या कार्यवाही	आह्वान विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>अधिवक्ता प्राचीनिका की-हस्त वर्गी- ठोके पत्रावली का अपनीकन किया गया। प्राचीनिका अधिवक्ता आशरी के डिपॉजिट स्वतंत्र काइलकार के नियमनुसार प्रत्येक स्वतंत्र को अपनी स्वतंत्री कृति की पत्थरगडी कम्पाने का कारका हेतु अधिवक्ता प्राप्त है प्राचीनिका अपनी स्वतंत्री कृति का सीनलगत तहसीलदार तहसील को के अधिवक्ता डिपॉजिट 26/06/2019 को पटवारी द्वारा कम्पाने प्राप्त था। के सिद्धांत प्राचीनिका प्राचीन-पत्र पत्थरगडी स्वीकार किया जाण नुचिा प्रतीत होता है।</p> <p>अतः प्राचीनिका का-पत्र आवा पत्थरगडी का स्वीकार किया जाकर तहसीलदार को को अधिवक्ता डिपॉजिट कि कोड किसी अन्य न्यायालय का स्वतंत्र अधिवक्ता नहीं है। तथा भीके पर कम्पाने ग हो तो सीनलगत अधिवक्ता 26/06/2019 के अधिवक्ता उभयपक्षों को नुचिा करते</p>	


2
जिला न्यायालय

फर्द अहकाम

जवाहीर प्रसाद को बनाम सुभाष देवी व डोगरा

नाम न्यायालय

केस संख्या 39/2019 प्रा. चत. पत्थरगरी

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विरोध विवरण
		<p>इस पत्थरगरी की कार्यवाही करवाने सुनिश्चित किये जायेंगे और बहसीमदार एहसीब को फिरवा जके। विनिश्चय आज दिनांक 11/12/19 को जेरे द्वारा सुने नयायनी के सुनवाई आयी।</p> <p style="text-align: right;">  उपरान्त अधिकारी चौक जिला जयपुर </p>	

